स्टाइल में नेचर की फिक्र

नए आइडियाज, नई सोच, नई थीम को अगर आगे बढ़ना है, समाज में स्टैबलिश होना है और मान्यता प्राप्त करनी है तो उसे फैशन परेड का हिस्सा बनना पड़ेगा। अब यह भले संभव हो कि किसी फैशन परेड में केवल साहित्यकार या केवल राजनेता ही अपने विचार या विचारधारा को मॉडलनुमा शक्ल देकर अपने मंच पर प्रदर्शित करें लेकिन होगी वह फैशन परेड ही।

इस बारीक थीम को पकड़ते फैशन इंडस्ट्री इन दिनों ईको-फ्रेंडी बनने पर लगी है।

इसलिए पिछले कुछ दिनों से तमाम नेशनल, इंटरनेशनल डिजाइनर्स अपनी थीम इसी अनुरूप रख रहे हैं। उनकी थीम कुछ यूं होती है- ऑर्गेनिक चीजें, वेजिटेबल डाई, रिसाइकल्ड प्रॉडक्ट्स वगैरह। इतना ही नहीं, कई रिटेल शॉप्स, डिजाइनर्स और स्टाइलिस्ट न सिर्फ खुद ऐसे प्रॉडक्ट्स यूज कर रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी ऐसा करने की सलाह व प्रेरणा दे रहे हैं।

जानी-मानी डिजाइनर अनीता डोंगरे का कहना है कि एथिकल फैशन आज के दौर की एक बड़ी जरूरत है। वह कहती हैं, डिजाइनर्स को इको-फ्रेंडली फैशन की महत्ता समझनी होगी। अगर वे पूरा कलेक्शन इस पर तैयार नहीं कर सकते, तो कम-से-कम इससे जुड़ा एक हिस्सा तो वे अपने स्टोर में जरूर रखें। मैं खुद अपने डिजाइंस के लिए ऑर्गेनिक कॉटन यूज करती हूं। इसके साथ ही, ऐसे फैब्रिक्स तैयार करने वाली कंपनियों और लोगों से डील भी करती हूं। पिछले दिनों मैंने अपना ग्रीन कलेक्शन भी पेश किया है।

पर्यावरण के सामने खड़े खतरों को देखते हुए कमोबेश सभी डिजाइनर अपनी सोशाल जिम्मेदारी समझते हुए अपने कलेक्शन में ईको-फ्रेंडी ड्रेसेज, प्रोडक्ट्स आदि का इस्तेमाल कर रहे हैं। यही वजह है कि आज कल के तमाम शोज में आप गौर करेंगे कि ज्यादातर ऑर्गेनिक मैटीरियल यूज किए जाते हैं। जैसे- हेम्प और बैम्बू मैटीरियल से बने खादी कुरते खूब पसंद किए जा रहे हैं। ये कुरते आपको ऑर्गेनिक कॉटन के बैनर तले मिलेंगे।

और ड्रेसेज ही क्यों, इन दिनों बैग्स, शूज, एक्सेसरीज वगैरह भी आजकल इको-फ्रेंडी हो रहे हैं। शायद यही वजह है कि इन दिनों मार्केट में, पेपर से बनी जूलरी, कॉटन की पायल पहले की तुलना में अब ज्यादा दिख रही हैं।

वॉर्डरोब कंसल्टेंट भावना भवनानी का इस बारे में कहना है कि स्टाइल के मामले में इको-फ्रेंडी आसानी से हुआ जा सकता है। दरअसल, आज हमारे पास वेजिटेबल कलर्स, ऑर्गेनिक सीक्वेंस, ऑर्गेनिक और मिनरल मेकअप्स वगैरह ऐसे तमाम प्रॉडक्ट्स हैं, जिनके जरिए मनचाहा लुक पाया जा सकता है। मैं अपने क्लाइंट्स को ऐसे ही प्रॉडक्ट्स यूज करने की सलाह देती हूं।

मार्केट रिसर्च करने पर पता चलता है कि इन दिनों डिजाइनर्स अपना पूरा जोर नैचरल फैब्रिक्स के इस्तेमाल पर दे रहे हैं। कस्टमर ज्यों ही पूछता है कि भई, लेटेस्ट क्या है, शॉप वाले तुरंत नेचुरल फेब्रिक की बात करते हैं। इसलिए जो लोग पहले कॉटन से परहेज करते थे, अब उसी कॉटन की ट्रेडिशनल तकनीक पसंद करने लगे हैं।

इसी तर्ज पर डिजाइनर्स भी कम नहीं है उन्होंने आपकी रोजाना जिंदगी को स्टाइलिश बनाने के लिये ही कपड़ों का डिजाइन किया है। डिजाइनर वेंडल रॉडरिक आदि ने मिलकर वेस्टसाइड में अपने स्टाइलिश कलेक्शन को रखा है। जिसमें फीमेल आउटफिट के लिये ड्रेस, लेगिंग्स, फिटेड पेंट्स, फ्लाईग ए-लाइन्स निटवेयर है। जिसमें आपको प्लीट्स, रफ्फल्स, लाइन्स भी मिल जायेगी। सॉफ्ट फेबरिक, लिनेन, बेम्बू ब्लेंड में ब्लेक एंड व्हाइट कॉम्बीनेश मिलता है।

इसके अलावा पिछले दिनों ब्लेकबेरी ने मेन-वूमेन दोनों के लिये अपने नये स्टाइल को पेश किया। ग्लिटरिट कलेक शन में आपको स्टाइल, शार्प कलर्स मिलेंगे। साथ ही स्लिम फिट शार्ट एंड मिडियम लेंथ जैकेट, फ्रेंच कफ, स्लीक कट, सेटिन स्ट्राइप्स, फाइन कॉटन में ट्राउजर, लो-वेस्ट आदि जो बिलुकल यंग यूथ संग क्लासी कलेक्शन है।